भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	.....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय साहित्य		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	**केंद्रिक पाठ्यक्रम**		
4	पूर्वापेक्षा	**स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।**		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. छात्र हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थियों को हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय प्राप्त होगा। 3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान होगी। 4. हिंदी में अनूदित साहित्य से परिचय होगा। 5. भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी भारत की राष्ट्रीय एकता एवं विविधता से भिज्ञ हो सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	**अधिकतम अंक: 60+40**	**न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40**	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– **90(व्याख्यान+गतिविधि)**

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं.90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीयता : परिभाषिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय, भाषा और साहित्य में भारतीयता का बोध भारतीय साहित्य और संस्कृति का अंतर्संबंध **गतिविधि –सांस्कृतिक संग्रहालय भ्रमण, शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (बांग्ला, मराठी) बंकिमचन्द्र चटर्जी - आनंदमठ शिवाजी सावंत - मृत्युंजय **गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (कन्नड़ , हिंदी) भैरप्पा - आवरण (कन्नड़) हजारी प्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा (हिंदी) **गतिविधि –आलेख लेखन, समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	भारतीय भाषाओं की कहानियाँ - मां की ममता (तेलुगु कहानी) - रावुरि भारद्वाज मृत्युदंड (तमिल कहानी) - कल्कि कृष्णमूर्ति गूलर के फूल (ओड़िया कहानी) - अखिल मोहन पटनायक खून का रिश्ता (मलयालम कहानी) - तकषी शिवशंकर पिल्लै **गतिविधि – कहानी पाठ, समीक्षा**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	भारतीय भाषाओं की कविताएँ (असमिया, कन्नड़, बांग्ला, मराठी, गुजराती)- आधुनिक भारतीय कविता - सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र तथा नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी कविताएँ- 1. असमिया कविताएँ- अ) नवकांत बरूआ- धनशिरी के लिए दो स्तबक ब) हीरेन भट्टाचार्य- पृथ्वी मेरी कविता, कविता के लिए:एकांत प्रार्थना 2. कन्नड़ कविताएँ- अ) विनायक कृष्ण गोकाक- बादल, धरती: की नजर में 3. बांग्ला कविताएँ- अ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर- जहाँ चित भय शून्य, शंख ब) काजी नजरूल इस्लाम- किसका है यह देश, हे पार्थ सारथी 4. मराठी कविताएँ- अ) कुसुमाग्रज- पृथ्वी का प्रेम गीत, याचक 5. गुजराती कविताएँ- अ) उमाशंकर जोशी- वर दे इतना, छोटा मेरा खेत **गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा, कविता पाठ**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**
सार बिंदु (Keywords/Tags): भारतीय साहित्य, भारतीयता, भारतीय संस्कृति		
भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री 1.भारतीय साहित्य-सं. डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन 2.भारतीय दर्शन - डॉ. बल्देव उपाध्याय,चौखंभा, संस्कृत भवन, वाराणसी 3.भारतीय दर्शन की रूपरेखा- डॉ. बल्देव उपाध्याय,चौखंभा ओरियन्टालिया, दिल्ली 4. राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य डॉ. शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन 5. भारतीयता की पहचान-डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन 6. संस्कृति के चार अध्याय-दिनकर, लोक भारती प्रकाशन		

7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ- डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन

8.भारतीय चिंतन परंपरा-के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस

9.आधुनिक भारतीय चिंतन-डॉ. विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन

10.आज का भारतीय साहित्य-सं. साहित्य अकादमी, दिल्ली

11. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास-केंद्रीय हिंदी निदे. शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान-सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु, राजपाल एंड संस, दिल्ली

13. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -सं. डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय

14. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

15. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

16. उन आंखों की कथा, गबुरि भारद्वाज एवं भीमसेन निर्मल, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन

17. तमिल की लोकप्रिय कहानियां, डॉ. ए भवानी, प्रभात प्रकाशन

18 भारतीय शिखर कथा कोश: ओड़िया कहानियां, सं. कमलेश्वर, पुस्तकायन प्रकाशन, नई दिल्ली.

19. भारतीय साहित्य, सं. आर आई सथी, डॉ. प्रकाश ए. , वाणी प्रकाशन

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://hindikahani.hindi-kavita.com/Hk-Oriya-Kahaniyan-Aur-Lok-Kathayen.php

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

कोई टिप्पणी / सुझाव

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	.....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लोक साहित्य		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.भारत की समृद्ध लोक साहित्य परंपरा से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। 2.भारतीय लोक साहित्य में ध्वनित लोकजीवन और लोक संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा। 3.भारत के विविध आंचलिक क्षेत्रों में अलग-अलग लोक भाषाओं में लोक साहित्य का सृजन हुआ है, जिसके साहित्यिक एवं भाषिक सौंदर्य पर शोध अपेक्षित है। विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**लोक साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व** लोक और लोक साहित्य, लोक साहित्य और साहित्य: साम्य –वैषम्य, लोक साहित्य: व्याप्ति और वैशिष्ट्य, लोक साहित्य का महत्व : भारतीय ज्ञान परंपरा में लोक साहित्य का अवदान **गतिविधि – शोध आलेख लेखन, भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ** लोकगीत, लोककथा, व्रतकथा, लोकगाथा , पहेलियाँ , कहावतें और मुहावरे, लोकमंच – संरचना और व्यवस्थापन , लोक नाट्य एवं लोक नृत्य **गतिविधि –लोकगीतों का लेखन, गायन एवं संकलन, लोक नाट्यों का मंचन, लोक नृत्यों का प्रदर्शन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	**लोक साहित्य और संस्कृति**– लोक विश्वास , प्रकृति पूजन, व्रत-उपवास , पर्व और पर्व स्नान, शकुन विचार, संस्कार , लोक रीतियाँ, लोक रूढियाँ,	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

	लोककल्याण का भाव और मूल्य चेतना **गतिविधि – भ्रमण, लोक कथाओं का संग्रहण**	
चतुर्थ	**लोक साहित्य में लोक जीवन** विमर्श के विविध आयाम लोक साहित्य में स्वातंत्र्य चेतना लोक साहित्य में दार्शनिक चिंतन लोक साहित्य में नारी, दलित एवं आदिवासी विमर्श लोक साहित्य में पर्यावरण विमर्श लोक जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान **गतिविधि – लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	**लोक साहित्य का कलापक्षीय सौंदर्य और प्रदेय** लोकभाषा सौष्ठव , अलंकारिता , प्रतीकात्मकता, बिंबात्मकता, उक्ति वैचित्र्य, गेयता लोक साहित्य के प्रति नवीन मान्यताएँ , राष्ट्रीय संरक्षण की आवश्यकता और योजनाएँ, आधुनिक लोक साहित्य और नवीन संभावनाएँ, लोक साहित्य का साहित्य पर प्रभाव लोक साहित्यकार : बघेली, बुंदेली, मालवी **गतिविधि – शोध आलेख, लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags):लोक साहित्य, लोक जीवन, लोककथा, लोकगाथा, लोक संस्कृति

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. लोक साहित्य - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय (भारतीय ज्ञानपीठ)
2. भारतीय लोक साहित्य - डॉ. श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन)
3. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल (भारतीय ज्ञानपीठ)
4. भारतीय लोक कथा साहित्य - डॉ. कमला रत्नम (राजपाल एंड संस)
5. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ. शांति स्वरूप गुप्ता (अभिव्यक्ति प्रकाशन)
6. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
7. कथा वार्ता"- डॉ कपिल तिवारी, (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
8. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 1956
9. लोक साहित्य और वैश्वीकरण - डॉ सरोज गुप्ता, डॉ संगीता सुहाने, अनुभूति पब्लिशर, इलाहाबाद
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	.....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी नाटक एवं एकांकी		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. हिंदी नाटक एवं एकांकी के ज्ञान से साहित्यिक समझ में वृद्धि होगी। 2. नाटक की विभिन्न शैलियों और तकनीकों को समझ पाएंगे। 3. भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे। 4. रंगमंच की तकनीक जान सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या–		90(व्याख्यान+गतिविधि)
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास** नाट्य शब्द का अर्थ, परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य मत) नाट्य साहित्य के प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा और नाट्य साहित्य का विकास **गतिविधि –रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**हिंदी एकांकी : उद्भव एवं विकास** एकांकी : परिभाषा और तत्व (भारतीय और पाश्चात्य मत) हिंदी एकांकी का विकास **गतिविधि –प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	रंगमंच की विकास यात्रा रंगमंच का स्वरूप भारतीय और पाश्चात्य निर्देशन एवं अभिनय सिद्धांत - भारतीय और पाश्चात्य मत रंगमंच की शास्त्रीय और लोकधर्मी अवधारणा **गतिविधि – रंगमंच भ्रमण**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	**हिंदी के प्रमुख नाटक एवं नाटककार** चन्द्रगुप्त जयशंकर प्रसाद लहरों के राजहंस मोहन राकेश अक्षयवट सुरेश चंद्र शुक्ल एक कंठ विषपायी - दुष्यंत कुमार **गतिविधि – नाट्य मंचन**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	**हिंदी के प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकार** दीपदान डॉ. रामकुमार वर्मा मातृभूमि का मान हरिकृष्ण प्रेमी नये मेहमान उदयशंकर भट्ट स्ट्राइक भुवनेश्वर भोर का तारा जगदीशचंद्र माथुर भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिशचंद्र **गतिविधि – नाट्य मंचन**	**15+3** **(व्याख्यान+गतिविधि)**

सार बिंदु (Keywords/Tags):नाट्य साहित्य, एकांकी, नाटक, रंगमंच

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1.नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

2. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

3. रंगदर्शन नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन

4. हिंदी नाटक:उद्भव और विकास-दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस

5. हिंदी नाटक आज-कल-जयदेय तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन

6. हिंदी एकांकी-सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स दिल्ली 2000

7. एकांकी उद्भव और विकास मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान-विज्ञान प्रकाशन, दिल्ली

8. नए एकांकी सं. अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली

9. भारतीय ज्ञान परंपरा - स. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

10. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम :		कक्षा : स्नातकोत्तर तृतीय सेमे. चतुर्थ प्रश्न पत्र	वर्ष: द्वितीय	सत्र:
विषय : हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	.....		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी आलोचना		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम		
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. साहित्यिक कृतियों की गहराई और अर्थ को समझ सकेंगे। 2. आलोचनात्मक सोच में वृद्धि होने से साहित्यिक कृतियों का विश्लेषण कर सकेंगे। 3. साहित्यिक कृतियों के मूल्यांकन के लिए विभिन्न मानकों और दृष्टिकोणों को समझ पाएंगे।		
6	क्रेडिट मान	05		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40	

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90(व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप** आलोचना: शाब्दिक व्युत्पत्ति, अर्थ , परिभाषा, स्वरूप (भारतीय और पाश्चात्य मत) भारतीय ज्ञान परंपरा और समालोचना का स्वरूप **गतिविधि –प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**हिंदी आलोचना का इतिहास** हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि हिंदी आलोचना: स्वतंत्रता के पूर्व हिंदी आलोचना: स्वातंत्र्योतर **गतिविधि – रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	**हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकार और उनका सैद्धांतिक स्वरूप** शास्त्रीय, सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सौंदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, मनोविश्लेषणवादी, समाजशास्त्रीय, व्यावहारिक समीक्षा **गतिविधि –शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	हिंदी के प्रमुख आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेंद्र, नामवर सिंह) **गतिविधि –पुस्तकालय**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	रचनाकार आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध", महावीर प्रसाद द्विवेदी, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन "अज्ञेय", गजानंद माधव "मुक्तिबोध", विजयदेव नारायण साही) **गतिविधि – आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): आलोचना, भारतीय ज्ञान परंपरा और आलोचना , आलोचना सिद्धांत

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. आचार्य रामचंद्र शुल्क और हिंदी आलोचना-रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
2. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन
4. रामचंद्र शुक्ल मलयज, राजकमल प्रकाशन
5. हिंदी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी , राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द-बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन
7. नंद दुलारे वाजपेयी:रचना संचयन-सं. सत्यवान, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
8. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
9. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

कोई टिप्पणी / सुझाव